

पंचवर्षीय योजनाएं

- USSR से प्रेरित विचार
- जोसेफ स्टालिन ने 1928 में USSR में पहली पंचवर्षीय योजना की शुरुआत की।
- भारत में योजना अवधि (1951 - 2017)
- कुल 12 पंचवर्षीय योजनाएं

पूर्ववर्ती योजनाएं:

- राष्ट्रीय योजना समिति: 1938
- बॉम्बे योजना: 1944
- गांधीवादी योजना: 1944
- पीपुल्स प्लान: 1945
- सर्वोदय योजना (जयप्रकाश नारायण द्वारा): 1950

योजना आयोग

- स्थापना: 15 मार्च 1950
- विघटन: 17 अगस्त 2014

कार्य:

- देश के सभी संसाधनों का मूल्यांकन करना
- अभावपूर्ण संसाधनों को बढ़ाना
- संसाधनों के सबसे प्रभावी और संतुलित उपयोग के लिए योजनाएं बनाना और प्राथमिकताएं निर्धारित करना

पहली पंचवर्षीय योजना (1951-1956)

- यह योजना कृषि और सिंचाई पर केंद्रित थी।
- हारोड-डोमर मॉडल पर आधारित थी।
- इसमें भाखड़ा नांगल और हीराकुंड बांध जैसे प्रमुख परियोजनाएं शामिल थीं।
- वृद्धि लक्ष्य: 2.9%
- वास्तविक वृद्धि: 3.6%

दूसरी पंचवर्षीय योजना (1956-1961)

- फोकस: तीव्र औद्योगिकीकरण, विशेष रूप से भारी उद्योग और सार्वजनिक क्षेत्र का विस्तार।
- मॉडल: पी. सी. महालनोबिस द्वारा विकसित महालनोबिस मॉडल, औद्योगिक निवेश पर ध्यान केंद्रित करना।
- विकास: लक्ष्य : 4.5%,
वास्तविक : 4.3%

तीसरी पंचवर्षीय योजना (1961-66)

- फोकस: एक आत्मनिर्भर और स्व-उत्पादक अर्थव्यवस्था के लिए लक्षित
- यह योजना कृषि, विशेषकर गेहूँ उत्पादन, और युद्धों के कारण रक्षा पर केंद्रित थी।
- इस गाडगिल योजना के नाम से जाना जाता था
- विकास: लक्ष्य 5.6%, वास्तविक 2.8%
- भारत-चीन (1962) और भारत-पाक युद्ध (1965) से गंभीर रूप से प्रभावित।

योजना अवकाश (1966-1969)

- आर्थिक अस्थिरता के कारण तीन वार्षिक योजनाएँ;
- कृषि, संबद्ध गतिविधियों और उद्योग को समान प्राथमिकता
- निर्यात बढ़ाने के लिए रुपये का अवमूल्यन।

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना (1969-1974)

- उद्देश्य: स्थिरता के साथ विकास और आत्मनिर्भरता की प्रगतिशील उपलब्धि।
- परिवार नियोजन कार्यक्रमों का क्रियान्वयन योजना के प्रमुख लक्ष्यों में से एक था।
- राज्यों को संसाधनों के आवंटन के लिए गाडगिल फॉर्मूला (1969)
- लक्ष्य जीडीपी विकास: 5.7%;
- वास्तविक जीडीपी विकास: 3.3%

पाँचवीं पंचवर्षीय योजना (1974-1979)

- यह योजना डी.पी. धर के नेतृत्व में गरीबी उन्मूलन और आत्मनिर्भरता पर केंद्रित थी।
- इसे निर्धारित समय से एक वर्ष पहले 1978 में ही समाप्त कर दिया गया, क्योंकि केन्द्र सरकार में महत्वपूर्ण राजनीतिक परिवर्तन हुआ और जनता पार्टी की सरकार बनी।

रोलिंग योजना (1978-1980)

छठी पंचवर्षीय योजना (1980-1985)

- आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत;
- NABARD की स्थापना;
- ग्रामीण विकास, परिवार नियोजन और बुनियादी ढांचे में बदलाव पर ध्यान
- लक्ष्य जीडीपी विकास: 5.2%;
- वास्तविक जीडीपी विकास: 5.7%

सातवीं पंचवर्षीय योजना (1985-90)

- निजी क्षेत्र को प्राथमिकता;
- खादयान्न उत्पादन, रोजगार, उत्पादकता और प्रौद्योगिकी उन्नयन पर ध्यान; (कार्य, भोजन और उत्पादकता)
- सामाजिक न्याय और गरीबी-विरोधी कार्यक्रमों पर जोर।
- लक्ष्य जीडीपी विकास: 5.0%;
- वास्तविक जीडीपी विकास: 6.01%

आठवीं पंचवर्षीय योजना (1992-97)

- केंद्र में राजनीतिक अनिश्चितता के कारण आठवीं पंचवर्षीय योजना को दो साल के लिए स्थगित कर दिया गया था
- नई आर्थिक नीति का शुभारंभ (उदारीकरण, निजीकरण, वैश्वीकरण);
- लक्ष्य जीडीपी विकास: 5.6%;
- वास्तविक जीडीपी विकास: 6.8%।

नौवीं पंचवर्षीय योजना (1997-2002)

- फोकस : सामाजिक न्याय और समानता के साथ विकास
- निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया गया।
- सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगी जहां निजी क्षेत्र की भागीदारी बहुत सीमित है।
- लक्षित वृद्धि: 6.5%,
- वास्तविक वृद्धि: 5.4%

दसवीं पंचवर्षीय योजना (2002-2007)

- दसवीं योजना में 8% विकास लक्ष्य के अलावा विकास के कुछ प्रमुख संकेतकों (11) के लिए 'निगरानी योग्य लक्ष्य' निर्धारित किए गए थे।
- लक्ष्यों में साक्षरता और मजदूरी दर में लैंगिक अंतर को कम करना, शिशु और मातृ मृत्यु दर में कमी, साक्षरता में सुधार, पीने योग्य पानी तक पहुँच, प्रमुख प्रदूषित नदियों की सफाई आदि शामिल थे
- लक्षित वृद्धि: 8%,
- वास्तविक वृद्धि: 7.6%

ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना (2007-2012)

- फोकस: तेज़ और अधिक समावेशी विकास की ओर
- सामाजिक क्षेत्र, शिक्षा, कौशल विकास और पर्यावरणीय स्थिरता पर जोर।
- लक्ष्य जीडीपी विकास: 9%; वास्तविक जीडीपी विकास: 8%।

बारहवीं पंचवर्षीय योजना (2012-2017)

- तेज़, समावेशी और सतत विकास का लक्ष्य
- कृषि, उद्योग, सेवाओं क्षेत्र में , गरीबी उन्मूलन, रोज़गार सृजन, स्वास्थ्य, शिक्षा, अवसंरचना निर्माण विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र में, पर्यावरण और संधारणीयता पर ध्यान केंद्रित